अमिबा ऍसिस।.

भारत में 25 प्रतिशत लोगन के ई बीमारी बा।. अमिबा, सुई क नोक से भी सूक्ष्म एक सूक्ष्माणू एकखे कोशिय जीवाणू (जंन्तू) बा। सिर्फ सूक्ष्मदर्शक यंत्र द्वारा ही ओके देखा जाय सकथ।.

अमिबा दूषित खाना खाऐसे पेट के अन्दर जाथ।. ऐसे पेट दर्द अऊर खून मिश्रित दस्त होथ।.

ई आत के अन्दर घाव करथेनं ऊ खून में मिलके खून बहाव के साथ यकृत में पहुंचके सूजन आय जाथ।.

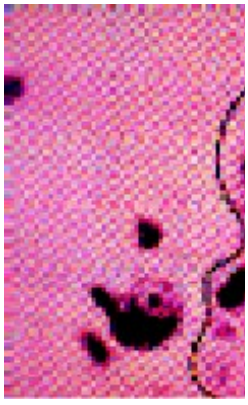

यकृत शरिरीमें सीथे (दाये)हाथ के बरगडी के नीचेवाला हिस्सा में स्थित बा।. अपने बाऐ हाथेके हथेली से अपन्य दायी बरगडी पे जोर से मारयं।।

अगर यकृत ठीक बा त दर्द नाय होत।. लेकीन यकृत पे सूजन होई त दर्द होई।. लेकिन दर्द होव्य पे अपने डॉक्टर से मिलके टीनी (500) गोली सबेरे-सन्झां 2-2 पांच दिना तक लेव्यके चाही।.

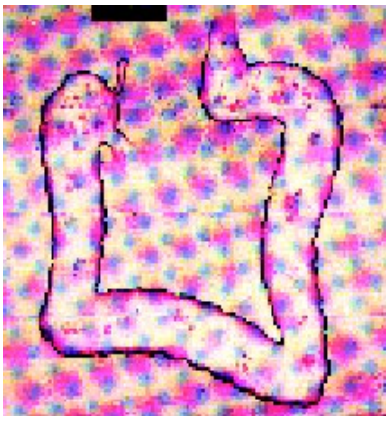

घरेंमे केहूकेभी ई तकलिफ होईत, अवरन के भी होय सकथ।. पेचीस के एक्खे कृमि के वजह घरेके सभ्य सदस्यन के एक साथ इलाज कराव्य के

चाही।. एक दईयॉ दवाई लेव्य पे अगर दोबारा अन्न (खाना) खराब खाना खायत दुबारा पेचीस होय सकथ।. ऐहिबीना खराब अन्नाज क सेवन न करय के चाही।. घरे के बहरेके खाना क कवनव भरोसा नाय रहतं।. अगर ई खाना पंचतारिका (बडा होटल) क भी होईत भी ऐप्पा भरोसा न करयं के चाही।. अतः बहरे क खाना न खाऐके चाही।.

घरेके सदस्यन के बहरे जायके होटल में खाना खायक शौक होथ लेकीन ई प्रथा गलत बा।.

बार-बार यकृत पे सूजन आव्यसे यकृत निष्क्रिय होथ।. अपने शरिर में यकृतय एक भाग बा जहॉ सब खराब खाना पहुचके खत्म होय जाथ, अऊर खायल गयल खाना से शरीर के जरूरी प्रोटीन आदि तैयार होथ।. यकृत खराब होव्य पे खून में प्रोटीन क मात्रा कम होय जाथ।.

शरीर पे सुजन आवथ अऊर रोगी जल्दी मर जाथ।. भारत में सबसे ज्यादा मौत यकृत खराब होव्यसे होय।. शराब पियय से ज्यादा मौत यकृत खराब होव्यसे ही होथ।. ऐहिबीना शराब क सेवननाय करयं के चाही अऊर घरेसे बहरे खाना न खाऐके चाही।.

घरेके बहरे खाना खाऐक मोह न छोड्य वाले ज्यादा दिन जिन्दा नाय रहतेनं।.